(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा अनिवासी भारतीयों को अब तक प्रदान की गई ऋण सुविधाओं का ब्यौरा क्या है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम॰ वी॰ चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) प्राधिकृत डीलरों को अनिवासी भारतीयों के लिए निवेश उद्देश्यों हेतु उनके द्वारा बैंकों में जमा राशि की जमानत पर कतिपय शर्तों के अन्तर्गत अन्य उद्देश्यों के लिए और भारत में अपने आवासीय उपयोग हेतु घर/फ्लैट का अधिग्रहण करने के लिए ऋण प्रदान करने की शक्ति प्राप्त है। प्राधिकृत डीलरों को यह भी शक्ति प्राप्त है कि वह भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी अनिवासी भारतीयों के बाण्डों के विरुद्ध ऋण प्रदान करें। उपर्युक्त के अलावा, अनिवासी भारतीय को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्राधिकृत संस्थाओं से गृह निर्माण ऋण की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं

विदेशी मुद्रा की कमी के कारण विकास दर में गिरावट

3670. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:**
चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विदेशी ऋण के भुगतान और विदेशी मुद्रा की कमी के परिणामस्वरूप देश की विकास दर में गिरावट आने की सम्भावना है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान अनुमानित व्यापार घाटा कितना रहा है और देश पर कितना घरेलू और विदेशी ऋण बकाया है तथा इस पर कितनी धनराशि का ब्याज देय है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम॰ वी॰ चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

(ग) वर्ष 1993-94 के दौरान व्यापार-घाटा, जिसका वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय द्वारा अनन्तिम रूप से अनुमान लगाया था, 1039 मिलियन डालर (3259 करोड़ रुपए) था। संशोधित बजट अनुमानों के अनुसार 1993-94 के अन्त तक केन्द्र सरकार का आन्तरिक ऋण और अन्य देयताएं 425,727 करोड़ रुपए रहीं और 1993-94 के दौरान ऋण पर देय ब्याज 33,625 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 1994 के अन्त तक राष्ट्र के प्रति कुल बाह्य ऋण का स्टाक 90.7 बिलियन डालर (284,081 करोड रुपए) होने का अनुमान लगाया गया है। 1993-94 के दौरान राष्ट्र द्वारा बाह्य ऋण पर 3.6 बिलियन डालर (11,314 करोड़ रुपए) ब्याज भुगतान किए जाने का अनुमान है।

बिहार में विदेशी सहायता से शुरू की गई परियोजनायें

3671. **श्री आस मोहम्मद:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार राज्य में विदेशी सहायता से इस समय कौन-कौन सी परियोजनायें शुरू की जा रही हैं;

(ख) इन परियोजनाओं के लिये किस प्रकार की सहायता दी गई है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान इन परियोजनाओं पर खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम॰ वी॰ चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) से (ग) सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष द्वारा दी जाने वाली सहायता

3672. **श्रीमती उर्मिला चिमनभाई पटेल:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आई॰ एफ॰ ए॰ डी॰) को गुजरात में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे व्यक्तियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने हेतु एक परियोजना शुरू करने की अनुमति दी गई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस परियोजना के अन्तर्गत प्रति वर्ष कितने व्यक्तियों को लाभ मिलेगा?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम॰ वी॰ चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) जी, नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठते।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा गुजरात में कराया गया सर्वेक्षण

3673. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक